RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

ई-पाठशाला कार्यक्रम

Class 12th HISTORY

बंधुत्व, जाति तथा वर्ग Q2

RAPID REVISION




mg

Q.1 'सुत पिटक' का सम्बन्ध निम्न में से किस धर्म से है?

RBSE-2026

- सुत
- विनय
- अभिधम्म
- +
- जातक



(A) जैन धर्म → अगम

(B) वैदिक धर्म → 4 वेद

(C) बौद्ध धर्म

(D) पारसी धर्म

1 Mark

Q.2 निम्न में से कौनसा युग्म सुमेलित है? RBSE-2025

	घटना		स्थान (नेपाल)
A	बुद्ध का जन्म	–	लुम्बिनी
B	बुद्ध को ज्ञान की प्राप्ति	–	कुशीनगर
C	बुद्ध का प्रथम उपदेश	–	बोधगया
D	बुद्ध को निब्बान की प्राप्ति	–	सारनाथ

(बिहार) बोधगया ← B
(UP) सारनाथ ← C
(UP) कुशीनगर ← D

1 Mark

वस्तुनिष्ठ प्रश्न

Q.3 शाहजहाँ बेगम और उनकी उत्तराधिकारी सुल्तानजहाँ बेगम, जिन्होंने साँची के स्तूप के रख-रखाव के लिए धन का अनुदान दिया, किस राज्य से सम्बन्धित थीं? RBSE-2025

जॉन मार्शल
↓
ग्रंथ

(A) हैदराबाद
(B) जूनागढ़
(C) भोपाल
(D) बड़ौदा

1 Mark

वस्तुनिष्ठ प्रश्न

Q.4 तीर्थयात्री श्वेन-त्सांग किस देश से आए थे?

RBSE-2024



(A) चीन — फा-यान

(B) यूनान → मेगस्थनीज

(C) फ्रांस

(D) जर्मनी

1 Mark

वस्तुनिष्ठ प्रश्न

Q.5 जैन परम्परा के अनुसार महावीर से पहले कितने तीर्थंकर हो चुके थे? RBSE-2024



(A) 21
(B) 22
(C) 23
(D) 24

शिक्षक - 24
1- ऋषभदेव
23- पार्श्वनाथ
24 - महावीर

1 Mark

वस्तुनिष्ठ प्रश्न

Q.6 'साँची' की खोज किस वर्ष हुई?

model paper-2026

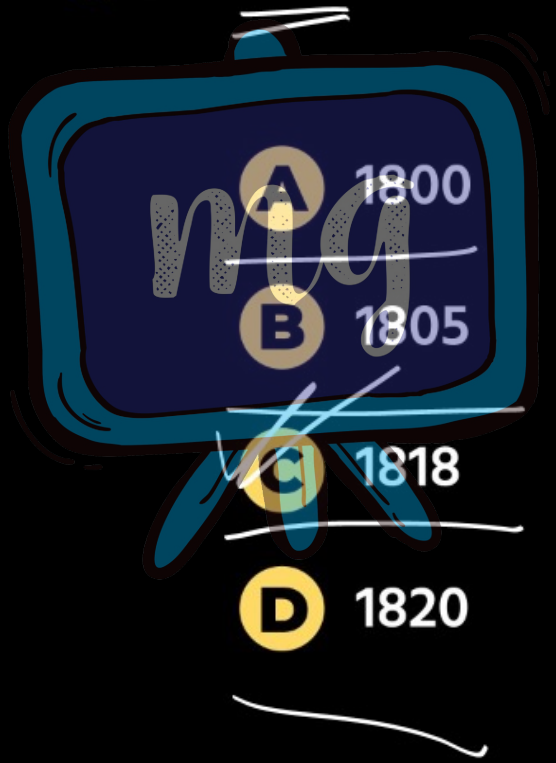

1 Mark

वस्तुनिष्ठ प्रश्न

Q.7 जॉन मार्शल ने सांची पर लिखे अपने महत्वपूर्ण ग्रन्थों को किसे समर्पित किया?

model paper-2025

(A) शाहजहाँ बेगम

(B) सुल्तानजहाँ बेगम

(C) मरियम बेगम

(D) दिलखुश बेगम

1 Mark

वस्तुनिष्ठ प्रश्न

Q.8 किस इतिहासकार ने साँची को वृक्ष और सर्प पूजा का केन्द्र माना था? Model paper-2025



(A) जेम्स टॉड

(B) मार्शल

(C) जेम्स फर्गुसन

(D) मैकेन्जी

1 Mark

रिक्त स्थान

Q.1 ..... दर्शन के अनुसार विश्व अनित्य है और लगातार बदल रहा है। RBSE-2024



1 Mark

रिक्त स्थान

Q.1 ..... दर्शन के अनुसार विश्व अनित्य है और लगातार बदल रहा है। RBSE-2024

उत्तर : बौद्ध

1 Mark

रिक्त स्थान

Q.2 बुद्ध के प्रिय शिष्य आनन्द ..... ने बुद्ध को समझाकर महिलाओं के संघ में आने की अनुमति प्राप्त की। Model paper-2025

① गोतमी.

1 Mark

रिक्त स्थान

Q.2 बुद्ध के प्रिय शिष्य ..... ने बुद्ध को समझाकर महिलाओं के संघ में आने की अनुमति प्राप्त की। Model paper-2025

उत्तर : बाद में महिलाओं को संघ में प्रवेश की अनुमति मिली तथा महाप्रजापति गोतमी पहली भिक्खुनी बनीं।

1 Mark

रिक्त स्थान

Q.3 श्वेतांबर एवं दिगंबर का संबंध ..... जैन .....

धर्म से है।

Model paper-2024



1 Mark

रिक्त स्थान

Q.4 देवी संप्रदायों में देवी की उपासना ..... से पोते गए पत्थर के रूप में की जाती थी। Model paper-2024



1 Mark

अतिलघूत्तरात्मक प्रश्न

Q.1 सबसे प्राचीन गुफाएँ आजीविक संप्रदाय के लिए किस शासक ने बनवाई? RBSE-2026



अतिलघूत्तरात्मक प्रश्न

Q.1 सबसे प्राचीन गुफाएँ आजीविक संप्रदाय के लिए किस शासक ने बनवाई? RBSE-2026

उत्तर : अशोक ने।

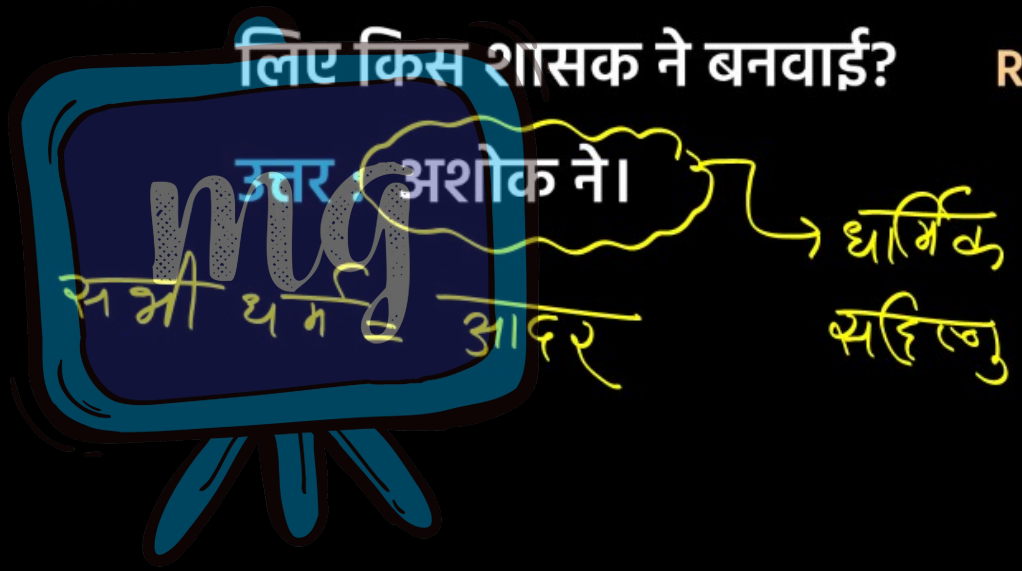

अतिलघूत्तरात्मक प्रश्न

Q.2 आप कैसे कह सकते हैं कि बुद्ध के जीवन काल में और उनकी मृत्यु के बाद भी बौद्ध धर्म तेजी से फैला?

RBSE-2025

अतिलघूत्तरात्मक प्रश्न

Q.2 आप कैसे कह सकते हैं कि बुद्ध के जीवन काल में और उनकी मृत्यु के बाद भी बौद्ध धर्म तेजी से फैला? RBSE-2025

उत्तर : लोगों की समकालीन धार्मिक प्रथाओं से असंतुष्टि, सामाजिक बदलाव तथा जन्म-आधारित श्रेष्ठता के स्थान पर अच्छे आचरण और मूल्यों को महत्त्व दिए जाने के कारण बौद्ध धर्म तेजी से फैला।

Q.3 बुद्ध की उपमाता का नाम बताइये जो संघ में आने वाली पहली भिक्खुनी बनी।

Model paper-2026

Q.3 बुद्ध की उपमाता का नाम बताइये जो संघ में आने वाली पहली भिक्खुनी बनी।

उत्तर : महाप्रजापति गोतमी

Model paper-2026

लघूत्तरात्मक प्रश्न

Q.1 स्तूपों की संरचना से संबंधित कोई दो महत्वपूर्ण भागों के नाम लिखिए।

RBSE-2026



RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

mg missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

① स्तूप - अवशेष संरचना
② विहार - घर → भिक्षु
③ चैत्य - मंदिर

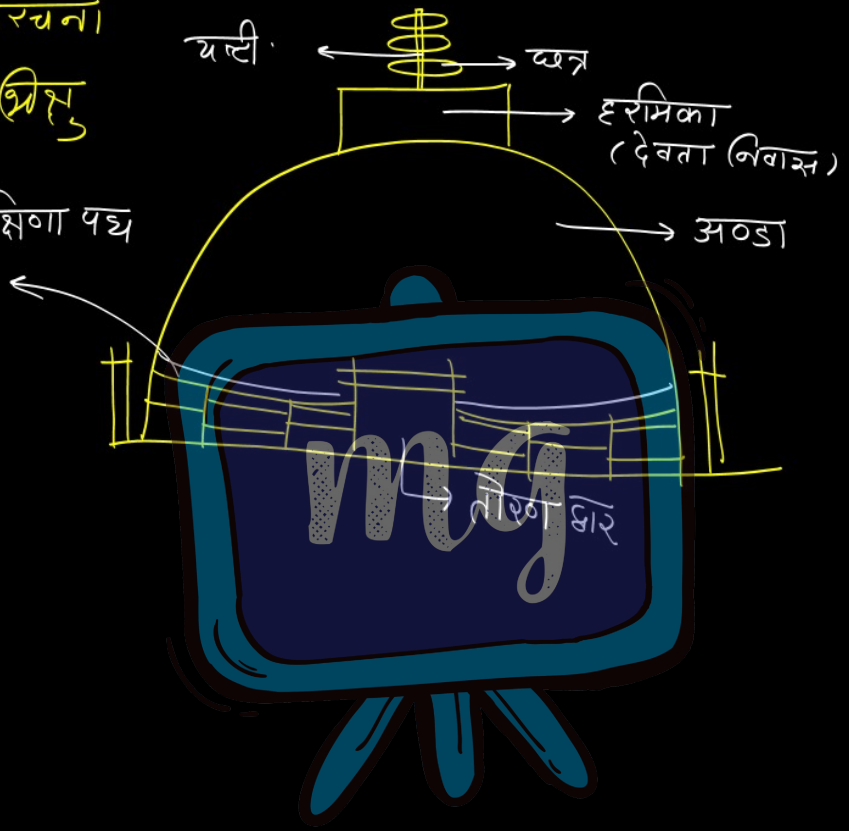

लघूत्तरात्मक प्रश्न

Q.1 स्तूपों की संरचना से संबंधित कोई दो महत्वपूर्ण भागों के नाम लिखिए।

RBSE-2026

उत्तर :

- अंड — स्तूप का गोलार्धाकार टीला।
- हर्मिका — अंड के ऊपर बनी संरचना।

स्तूप के अन्य भागों में यष्टि, छत्री और वेदिका भी शामिल थे।

लघूत्तरात्मक प्रश्न

Q.2 छठी शताब्दी ई.पू. में होने वाली कोई दो महत्वपूर्ण घटनाओं का उल्लेख कीजिए।

RBSE-2025



लघूत्तरात्मक प्रश्न

Q.2 छठी शताब्दी ई.पू. में होने वाली कोई दो महत्त्वपूर्ण घटनाओं का उल्लेख कीजिए।

RBSE-2025

उत्तर :

- लगभग छठी सदी ई.पू. में प्रारंभिक उपनिषदों का विकास हुआ।
- इसी काल में जैन धर्म तथा बौद्ध धर्म का उदय हुआ।

लघूत्तरात्मक प्रश्न

Q.3 किन्हीं दो स्तूपों के नाम लिखिए?

RBSE-2024



लघूत्तरात्मक प्रश्न

Q.3 किन्हीं दो स्तूपों के नाम लिखिए?

RBSE-2024



लघूत्तरात्मक प्रश्न

Q.4 बौद्ध दर्शन की किन्हीं दो महत्वपूर्ण मान्यताओं का उल्लेख कीजिए। RBSE-2023



लघूत्तरात्मक प्रश्न

Q.4 बौद्ध दर्शन की किन्हीं दो महत्वपूर्ण मान्यताओं का उल्लेख कीजिए। RBSE-2023

उत्तर :

- संसार अनित्य है और लगातार बदल रहा है।
- मध्यम मार्ग अपनाकर मनुष्य संसार के दुःखों से मुक्ति पा सकता है।

Q.5 पंच महाव्रत से आप क्या समझते हैं?

RBSE-2023

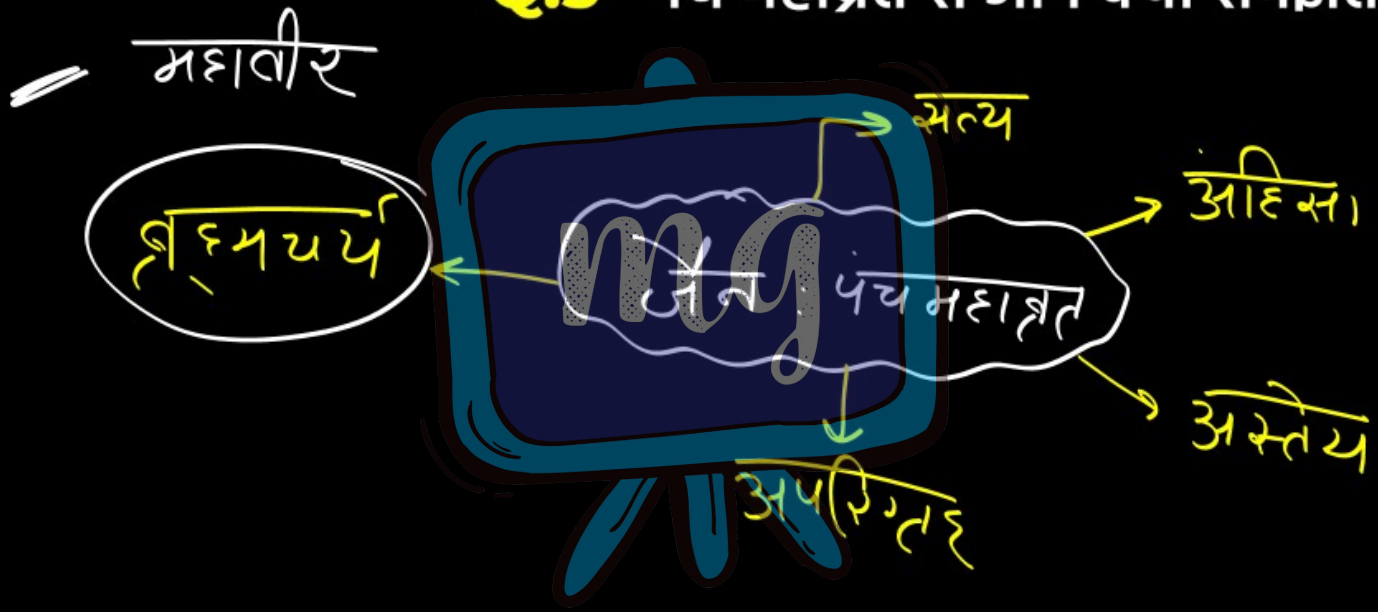

लघूत्तरात्मक प्रश्न

Q.5 पंच महाव्रत से आप क्या समझते हैं?

RBSE-2023

उत्तर :

जैन साधु और साध्वियों के पाँच व्रत थे—

1. हत्या न करना
2. चोरी नहीं करना
3. झूठ न बोलना
4. ब्रह्मचर्य
5. धन संग्रह न करना

लघूत्तरात्मक प्रश्न

Q.6 स्तूप को परिभाषित कीजिए।

RBSE-2023



लघूत्तरात्मक प्रश्न

Q.6 स्तूप को परिभाषित कीजिए।

RBSE-2023

उत्तर :

- बुद्ध से जुड़े **अवशेष**, जैसे उनकी अस्थियाँ अथवा उनके द्वारा प्रयुक्त सामान, पवित्र स्थानों पर गाड़े जाते थे।
- इन अवशेषों के ऊपर बने **टीलों को स्तूप** कहा जाता था।

लघूत्तरात्मक प्रश्न

Q.7 ईसा पूर्व प्रथम सहस्त्राब्दि के काल में विश्व के दो महान चिंतकों एवं उनके देशों के नाम बताइये।

Model paper-2024

Q.7 ईसा पूर्व प्रथम सहस्त्राब्दि के काल में विश्व के दो महान चिंतकों एवं उनके देशों के नाम बताइये।

Model paper-2024

उत्तर :

- जरथुस्त्र — ईरान
- खुंगत्सी — चीन

यहूदी → महावीर
→ बुद्ध

यूनान — अरस्तू

लघूत्तरात्मक प्रश्न

Q.8 स्तूप क्यों बनाए जाते थे? Model paper-2024



लघूत्तरात्मक प्रश्न

Q.8 स्तूप क्यों बनाए जाते थे? Model paper-2024

उत्तर :

- बुद्ध से जुड़े अवशेष, जैसे अस्थियाँ अथवा उनके द्वारा प्रयुक्त सामान, पवित्र स्थानों पर गाड़े जाते थे।
- इन अवशेषों के ऊपर बनाए गए टीलों को स्तूप कहा जाता था।

लघूत्तरात्मक प्रश्न

- अशोकावदान के अनुसार अशोक ने बुद्ध के अवशेषों को महत्वपूर्ण नगरों में बाँटकर उनके ऊपर स्तूप बनवाने का आदेश दिया।

लघूत्तरात्मक प्रश्न

Q.9 त्रिपिटक क्या है? इनके नाम लिखिए?

Model paper-2024



लघूत्तरात्मक प्रश्न

Q.9 त्रिपिटक क्या है? इनके नाम लिखिए?

उत्तर : Model paper-2024

- बुद्ध की शिक्षाओं के संग्रह को त्रिपिटक अर्थात् "तीन टोकरियाँ" कहा जाता था।
- इसके तीन भाग थे—
  1. विनय पिटक — संघ में रहने वालों के नियम।

लघूत्तरात्मक प्रश्न

2. सुत्त पिटक — बुद्ध की शिक्षाएँ।
3. अभिधम्म पिटक — दर्शन से जुड़े विषय।

लघूत्तरात्मक प्रश्न

Q.10 ईसा पूर्व प्रथम सहस्त्राब्दि में जीवन के रहस्यों को समझने का प्रयास करने वाले विश्व के चार चिंतकों के नाम लिखिए।

Model paper-2023

लघूत्तरात्मक प्रश्न

Q.10 ईसा पूर्व प्रथम सहस्त्राब्दि में जीवन के रहस्यों को समझने का प्रयास करने वाले विश्व के चार चिंतकों के नाम लिखिए।

Model paper-2023

उत्तर :

- जरथुस्त्र
- खुंगात्सी
- सुकरात
- महावीर

लघूत्तरात्मक प्रश्न

Q.11 महायान बौद्ध मत के विकास के बाद बौद्ध अवधारणा व व्यवहार में कौनसे बदलाव नजर आये?

Model paper-2023

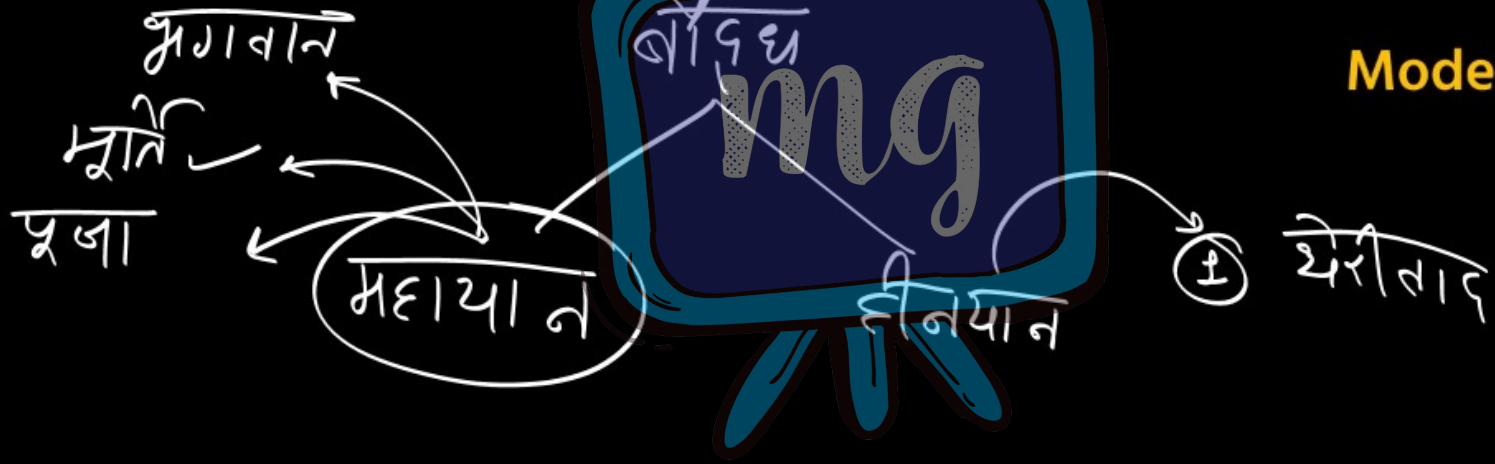

लघूत्तरात्मक प्रश्न

Q.11 महायान बौद्ध मत के विकास के बाद बौद्ध अवधारणा व व्यवहार में कौनसे बदलाव नजर आये?

Model paper-2023

उत्तर :

1. बुद्ध की मुक्तिदाता के रुप में कल्पना विकसित हुई।
2. यह माना जाने लगा कि बुद्ध लोगों को मुक्ति दिला सकते हैं।

लघूत्तरात्मक प्रश्न

3. बोधिसत्त की अवधारणा विकसित हुई।
4. बोधिसत्तों को परम करुणामय जीव माना गया।
5. बुद्ध और बोधिसत्तों की मूर्तियों की पूजा महत्वपूर्ण बन गई।

लघूत्तरात्मक प्रश्न

Q.12 जैन दर्शन का अहिंसा का सिद्धांत आज कितना प्रासंगिक है? अपने विचार स्पष्ट कीजिए।

Model paper-2023



लघूत्तरात्मक प्रश्न

Q.12 जैन दर्शन का अहिंसा का सिद्धांत आज कितना प्रासंगिक है? अपने विचार स्पष्ट कीजिए।

उत्तर :

Model paper-2023

1. जैन दर्शन में अहिंसा केंद्रीय सिद्धांत है।
2. संपूर्ण विश्व को प्राणवान माना गया है।
3. मनुष्य, पशु, पेड़-पौधे और कीड़े-मकोड़ों को न मारने पर बल दिया गया।

लघूत्तरात्मक प्रश्न

4. इसलिए यह सिद्धांत जीवों के प्रति संवेदनशीलता और हिंसा से बचने की भावना पर बल देता है।

दीर्घ उत्तरात्मक प्रश्न

Q.1 जैन धर्म के पंच महाव्रत व्यक्ति के चरित्र निर्माण में कैसे सहायक होते हैं? उदाहरण सहित समझाइये। RBSE-2026



दीर्घ उत्तरात्मक प्रश्न

Q.1 जैन धर्म के पंच महाव्रत व्यक्ति के चरित्र निर्माण में कैसे सहायक होते हैं? उदाहरण सहित समझाइये। RBSE-2026

उत्तर :

1. **हत्या न करना** — जीवों के प्रति **अहिंसा** पर बल देता है।
2. **चोरी नहीं करना** — अनुचित रूप से वस्तु लेने से रोकता है।

दीर्घ उत्तरात्मक प्रश्न

3. झूठ न बोलना — सत्यपूर्ण आचरण की शिक्षा देता है।
4. ब्रह्मचर्य — इंद्रिय-संयम पर बल देता है।
5. धन संग्रह न करना — भौतिक वस्तुओं के संग्रह से दूर रहने की शिक्षा देता है।
6. इस प्रकार पंच महाव्रत **अहिंसा, सत्य, संयम और त्याग** पर आधारित आचरण पर बल देते हैं।

दीर्घ उत्तरात्मक प्रश्न

Q.2 बौद्ध प्रतीक-स्तूप, चक्र, वृक्ष आदि मूर्तिकला में इतने महत्वपूर्ण क्यों माने गए हैं? उदाहरण सहित समझाइये।

RBSE-2026



दीर्घ उत्तरात्मक प्रश्न

Q.2 बौद्ध प्रतीक-स्तूप, चक्र, वृक्ष आदि मूर्तिकला में इतने महत्वपूर्ण क्यों माने गए हैं? उदाहरण सहित समझाइये। RBSE-2026

उत्तर :

1. प्रारंभिक मूर्तिकारों ने बुद्ध को मानव रूप में दिखाने के बजाय प्रतीकों के माध्यम से उनकी उपस्थिति दर्शाई।

दीर्घ उत्तरात्मक प्रश्न

2. वृक्ष – बुद्ध की ज्ञान प्राप्ति से संबंधित था।
3. स्तूप – महापरिनिब्बान का प्रतीक बना।
4. चक्र – सारनाथ में बुद्ध के प्रथम उपदेश का प्रतीक था।
5. इस प्रकार बौद्ध प्रतीकों ने बुद्ध के जीवन और शिक्षाओं को मूर्तिकला में व्यक्त किया।

Q.3 बौद्ध दर्शन की प्रमुख शिक्षाओं को स्पष्ट कीजिए।

RBSE-2024



दीर्घ उत्तरात्मक प्रश्न

Q.3 बौद्ध दर्शन की प्रमुख शिक्षाओं को स्पष्ट कीजिए।

RBSE-2024

उत्तर :

1. बौद्ध दर्शन के अनुसार संसार अनित्य है और निरंतर बदलता रहता है।
2. संसार आत्माविहीन है क्योंकि कुछ भी स्थायी या शाश्वत नहीं है।

दीर्घ उत्तरात्मक प्रश्न

3. बुद्ध ने घोर तपस्या और विषयासक्ति के बीच मध्यम मार्ग अपनाने की शिक्षा दी।
4. उन्होंने लोगों को विवेक और तर्क के आधार पर समझाने का प्रयास किया।
5. राजाओं और गृहपतियों को दयावान और आचारवान होने की सलाह दी।
6. उन्होंने सम्यक कर्म को महत्त्व दिया।

दीर्घ उत्तरात्मक प्रश्न

7. निर्वाण का अर्थ अहं और इच्छा का समाप्त होना था, जिससे दुःख के चक्र का अंत हो सकता था।



Q.4 वैष्णववाद का विकास किस प्रकार हुआ? समझाइये।

RBSE-2024



दीर्घ उत्तरात्मक प्रश्न

Q.4 वैष्णववाद का विकास किस प्रकार हुआ? समझाइये। RBSE-2024

उत्तर :

1. वैष्णव परंपरा में विष्णु को सबसे महत्वपूर्ण देवता माना गया।
2. उपासक और ईश्वर के बीच संबंध को प्रेम और समर्पण का संबंध माना गया।

दीर्घ उत्तरात्मक प्रश्न

3. इस प्रकार की आराधना को भक्ति कहा गया।
4. वैष्णववाद में कई अवतारों के इर्द-गिर्द पूजा पद्धतियाँ विकसित हुईं।
5. इस परंपरा में दस अवतारों की कल्पना की गई।
6. माना गया कि संसार में अव्यवस्था और नाश की स्थिति आने पर विश्व की रक्षा के लिए भगवान अलग-अलग रूपों में अवतार लेते हैं।

Q.5 जैन धर्म का अहिंसा का सिद्धान्त आज विश्व राजनीति और समाज में किस प्रकार प्रासंगिक है ?

Model paper-2026



Q.5 जैन धर्म का अहिंसा का सिद्धान्त आज विश्व राजनीति और समाज में किस प्रकार प्रासंगिक है ?

Model paper-2026

उत्तर :

1. जैन दर्शन में अहिंसा को केंद्रीय स्थान दिया गया है।

2. इसके अनुसार संपूर्ण विश्व प्राणवान है।

दीर्घ उत्तरात्मक प्रश्न

3. मनुष्यों के साथ-साथ जानवरों, पेड़-पौधों और कीड़े-मकोड़ों को भी न मारने पर बल दिया गया।

4. जैन साधु-साध्वियों के व्रतों में हत्या न करना प्रमुख था।

5. इस आधार पर अहिंसा का सिद्धांत जीवों के प्रति संवेदनशीलता और हिंसा से बचने पर बल देता है।

Q.6 बुद्ध की शिक्षाएँ वर्तमान समाज में किस प्रकार उपयोगी हैं?

Model paper-2026



Q.6 बुद्ध की शिक्षाएँ वर्तमान समाज में किस प्रकार उपयोगी हैं?

Model paper-2026

उत्तर :

1. बुद्ध ने लोगों को विवेक और तर्क के आधार पर समझाने पर बल दिया।
2. उन्होंने घोर तपस्या और विषयासक्ति के बीच मध्यम मार्ग बताया।

दीर्घ उत्तरात्मक प्रश्न

3. राजाओं और गृहपतियों को दयावान और आचारवान होने की सलाह दी।
4. उन्होंने सम्यक कर्म को महत्त्व दिया।
5. बुद्ध के अनुसार संसार अनित्य है।
6. अहं और इच्छा के अंत को निर्वाण से जोड़ा गया।
7. इस प्रकार उनकी शिक्षाएँ संयमित और नैतिक आचरण पर बल देती हैं।

निबंधात्मक प्रश्न

Q.1 जैन दर्शन की प्रमुख शिक्षाओं का वर्णन कीजिए।

RBSE-2025



निबंधात्मक प्रश्न

Q.1 जैन दर्शन की प्रमुख शिक्षाओं का वर्णन कीजिए।

RBSE-2025

उत्तर :

1. जैन दर्शन के अनुसार **संपूर्ण विश्व प्राणवान** है।
2. **पत्थर, चट्टान और जल** में भी जीवन माना गया।
3. **अहिंसा** जैन दर्शन का केंद्रीय सिद्धांत था।
4. मनुष्यों, जानवरों, पेड़-पौधों और कीड़े-मकोड़ों को न मारने पर बल दिया गया।

निबंधात्मक प्रश्न

5. जैन साधु-साध्वियों के पाँच प्रमुख व्रत थे—

RBSE-2025

- हत्या न करना
- चोरी नहीं करना
- झूठ न बोलना
- ब्रह्मचर्य
- धन संग्रह न करना

निबंधात्मक प्रश्न

6. जैन परंपरा के अनुसार महावीर से पहले 23 तीर्थंकर हो चुके थे।

7. धीरे-धीरे जैन धर्म भारत के कई भागों में फैला तथा जैन विद्वानों ने प्राकृत, संस्कृत और तमिल जैसी भाषाओं में साहित्य की रचना की।

निबंधात्मक प्रश्न

Q.2 स्तूपों की खोज किस प्रकार हुई? वर्णन कीजिए।

RBSE-2025



निबंधात्मक प्रश्न

Q.2 स्तूपों की खोज किस प्रकार हुई? वर्णन कीजिए।

RBSE-2025

उत्तर :

1. 1796 में एक स्थानीय राजा को अचानक अमरावती स्तूप के अवशेष मिले।
2. उसने स्तूप के पत्थरों का उपयोग मंदिर निर्माण में करने का निश्चय किया।
3. 1854 में गुंटूर के कमिश्नर ने अमरावती की यात्रा की।

निबंधात्मक प्रश्न

4. वहाँ से अनेक मूर्तियाँ और उत्कीर्ण पत्थर मद्रास ले जाए गए।
5. पुरातत्ववेत्ता एच.एच. कोल प्राचीन कलाकृतियों को मूल स्थान पर संरक्षित करने के पक्ष में थे।
6. अमरावती में इस नीति को स्वीकार नहीं किया गया।

निबंधात्मक प्रश्न

7. 1818 में साँची की खोज के समय उसके तीन तोरणद्वार खड़े थे।
8. साँची के अवशेषों को खोज की जगह पर ही संरक्षित करने की नीति अपनाई गई।

निबंधात्मक प्रश्न

Q.3 बौद्ध धर्म में स्तूप संरचना को बताते हुए साँची के स्तूप की विशेषताओं का वर्णन कीजिए।

Model paper-2025

निबंधात्मक प्रश्न

Q.3 बौद्ध धर्म में स्तूप संरचना को बताते हुए साँची के स्तूप की विशेषताओं का वर्णन कीजिए।

उत्तर :

Model paper-2025

1. स्तूप का आरंभ गोलार्धाकार मिट्टी के टीले से हुआ जिसे अंड कहा गया।
2. अंड के ऊपर हर्मिका बनाई जाती थी।
3. हर्मिका से एक मस्तूल निकलता था जिसे यष्टि कहते थे।

निबंधात्मक प्रश्न

4. यष्टि पर प्रायः छत्री लगी होती थी।
5. स्तूप के चारों ओर वेदिका होती थी, जो पवित्र स्थल को सामान्य दुनिया से अलग करती थी।
6. साँची के प्रारंभिक स्तूप में पत्थर की वेदिकाएँ और तोरणद्वार थे।
7. उपासक पूर्वी तोरणद्वार से प्रवेश करते थे।
8. वे स्तूप को दाईं ओर रखते हुए दक्षिणावर्त परिक्रमा करते थे।

निबंधात्मक प्रश्न

9. बाद के समय में स्तूप के टीले पर अलंकरण और नक्काशी भी की जाने लगी।
10. साँची की मूर्तिकला में बौद्ध कथाओं, प्रतीकों तथा लोक परंपराओं का भी चित्रण मिलता है।

निबंधात्मक प्रश्न

Q.4 नयी धार्मिक परम्पराओं में महायान बौद्ध मत के विकास का विश्लेषण कीजिए।

Model paper-2025

निबंधात्मक प्रश्न

Q.4 नयी धार्मिक परम्पराओं में महायान बौद्ध मत के विकास का विश्लेषण कीजिए।

Model paper-2025

उत्तर :

1. ईसा की प्रथम सदी के बाद बौद्ध अवधारणाओं और व्यवहार में बदलाव आया।
2. प्रारंभिक बौद्ध मत में निब्बान के लिए व्यक्तिगत प्रयास को विशेष महत्त्व दिया गया।

निबंधात्मक प्रश्न

3. बुद्ध को ऐसा मनुष्य माना गया जिसने अपने प्रयास से प्रबोधन और निब्बान प्राप्त किया।
4. धीरे-धीरे बुद्ध की मुक्तिदाता के रूप में कल्पना उभरी।
5. यह विश्वास विकसित हुआ कि बुद्ध लोगों को मुक्ति दिला सकते हैं।
6. इसी समय बोधिसत्त की अवधारणा विकसित हुई।

निबंधात्मक प्रश्न

7. बोधिसत्तों को परम करुणामय जीव माना गया।
8. बुद्ध और बोधिसत्तों की मूर्तियों की पूजा इस नई परंपरा का महत्वपूर्ण अंग बनी।
9. इस नई परंपरा को महायान कहा गया।
10. महायान अपनाने वालों ने पुरानी परंपरा को हीनयान कहा।